सांस्कृतिक गतिविधियाँ

वर्ष 2018-19 में हिन्दू कन्या महाविद्यालय, जींद द्वारा हुई सांस्कृतिक गतिविधियों की भागीदारी का विवरण इस प्रकार है। विगत कई वर्षों से बनी हुई पहचान को इस वर्ष भी महाविद्यालय ने ज्यों का त्यों रखा। सौभाग्य इस महाविद्यालय का कि हर वर्ष प्रतिभा संपन्न छात्राएँ महाविद्यालय में आती हैं और महाविद्यालय का मेहनती शिक्षक वर्ग व अन्य अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी निभाने वाला वर्ग अपनी भूमिका अदा करते हैं। छात्राओं में प्रतिभा को और निखारने और उन्हें मंच तक ले जाने का और महाविद्यालय को सम्मान दिलाने में सभी बराबर का स्थान रखते हैं। वर्ष 2018-19 में सर्वप्रथम महाविद्यालय ने 2 अक्टूबर 2018 को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में होने वाले "**भजन संध्या**" के कार्यक्रम में भाग लिया। जिसमें गांधी जयंती पर 2 छात्राओं पलक व मनीषा ने भजन प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अक्तूबर व नवंबर 2018 में **कु. वि., कु.** द्वारा आयोजित **राज्य स्तरीय रत्नावली उत्सव** में अपनी प्रतिभागिता दी। गायन, नृत्य व अभिनय की विधाओं को लेकर कुल **17 विधाओं** में छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें से '**हरियाणवी ग्रुप सांग**' में छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसके लिए छात्राओं को 6300/- नकद राशि व एक स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया। छात्राओं ने **शिक्षा मंत्री श्री रामबिलास शर्मा** व **कुलपति कु.वि.,कु.** के हाथों पुरस्कार प्राप्त किया।

दिसंबर 2018 माह में छात्राओं ने अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर मनाए जाने वाले गीता महोत्सव में अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी। जिसके लिए भी छात्राओं को 'अंग्रेजी शब्द ज्ञान कोष' व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी माह में बड़े ही हर्ष का विषय रहा कि छात्राओं को 26 दिसंबर से 30 दिसंबर 2018 में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी "युवोत्सव" में जाने का अवसर मिला। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की टीम में हमारे महाविद्यालय से कुल 7 छात्राओं का चयन गायन व नृत्य विधाओं में हुआ। छात्राओं को ग्रुप सांग जनरल, ग्रुप सांग वेस्टर्न, लाइट वॉकल इंडियन (सोलो) तथा ग्रुप डांस हरियाणवी में प्रस्तुति देने का अवसर मिला। हमारी महाविद्यालय की छात्राओं ने विश्वविद्यालय की टीम का हिस्सा बन विश्वविद्यालय को 'युवोत्सव' में प्रस्तुत किया। जिसके लिए छात्राएँ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा उत्सव में सम्मानित भी की गई। इसके अलावा महाविद्यालय संगीत विभाग की डॉ. क्यूटी को भी विश्वविद्यालय की इस प्रस्तुति की तैयारियों में विश्वविद्यालय द्वारा बुलाया गया। ताकि वह अपना सहयोग व मार्गदर्शन इन छात्राओं को व टीम को दे सकें। यह महाविद्यालय के लिए गौरव की बात रही कि छात्राओं को इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में जाने का अवसर मिला।

जनवरी 2019:- वर्ष के प्रारंभ में परीक्षाओं के समाप्त होते ही विश्वविद्यालय ने "युवा उत्सव" का आयोजन किया। जिसमें जींद जिले व चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालयों ने भाग लिया। अपने ही क्षेत्र का उत्सव और अपने ही घर में हो तो उसका आनंद ही अलग है। इस उत्सव में महाविद्यालय से 35 छात्राओं ने भाग लिया। कुल 5 विधाएं- गायन, नृत्य, अभिनय, ललित कला व साहित्य की रहीं। सभी विधाओं में छात्राओं का प्रदर्शन बेहतरीन रहा। कुल 22 विधाओं में भाग लेने पर 14 विधाओं में छात्राओं ने 5 प्रथम व 9 द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए। जिनके लिए भी छात्राओं को नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। नृत्य की विधा तो छात्राओं ने मानों अपने ही हाथों में थाम के रखी। नृत्य की 'ऑल ऑवर' ट्राफी भी महाविद्यालय ने ही जीती।

फरवरी 2019 माह में छात्राओं ने 'इंटर कालिज' प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभागिता दिखाई। जिसमें छात्राओं ने सी. आर. किसान जाट कॉलिज, जींद में होने वाले बसंत उत्सव में भाषण प्रतियोगिता में भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया ।
इसके पश्चात इंदिरा गांधी महाविद्यालय, कैथल में भी अंर्तमहाविद्यालय प्रतियोगिता में हमारी छात्राओं ने गायन, रंगोली, पोस्टर मेकिंग व भाषण प्रतियोगिता में अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिया।

6 मार्च 2019 - महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में हुई 'भगवद्गीता' संभाषण प्रतियोगिता की प्रारंभता अपने भजन व कृष्ण लीला पर नृत्य द्वारा की। जोकि काफी सराहनीय थी।

1 अप्रैल 2019 - महाविद्यालय प्रांगण में वार्षिक Athletic Meet के दौरान संगीत व सांस्कृतिक विभाग की छात्राओं ने नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति दी। जिसमें कुमारी रौनक B.A.Final Year की छात्रा ने राजस्थानी नृत्य व B.Com.Final Year की छात्रा निकिता व ग्रुप ने देशभक्ति गीत पर नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी।

18 अप्रैल 2019 - महाविद्यालय प्रांगण में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में सांस्कृतिक विभाग की छात्राओं ने नाटक के माध्यम से अपनी पहचान दी। कन्या महाविद्यालय में कन्याओं पर ही आधारित नाटक की प्रस्तुति दी जोकि काफी संवेदनशील कर देने वाली रही। अभिनय के माध्यम से निम्न श्रेणी के परिवार व उस परिवार के सदस्य जिस सुविधा से अपेक्षित है उन पर आधारित ये नाटक प्रदर्शित किया गया। इसके लिए छात्राओं को 3200/- रूपये नकद राशि का पुरस्कार दिया गया।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ वास्तव में ही व्यक्ति के विकास में सहायक हैं। जहाँ तक बात विद्यार्थी जीवन में सांस्कृतिक गतिविधयों से जुड़ने की है तो इसमें कोई संदेह नहीं कि इस समय का तपा हुआ विद्यार्थी सोने की चमक सा निखर कर निकलता है। ये गतिविधियाँ केवल उस समय के मनोरंजन हेतु ही नहीं अपितु विद्यार्थी को अनुशासित, मर्यादित, संस्कारवान, ऊर्जावान व आत्मनिर्भर भी बनाती हैं। जो कि हिन्दू कन्या महाविद्यालय की विशेषता रही है और भविष्य में भी रहेगी।

डॉ. क्यूटी
संचालिका : सांस्कृतिक विभाग